

प्रेषक,

कुँवर सिंह,
अपर सचिव,
उत्तरांचल शासन ।

सेवा में,

निदेशक, पी0एम0यू0
स्वजल परियोजना
देहरादून ।

पेयजल अनुभाग-

देहरादून: दिनांक-27 मार्च, 2005

विषय:-ग्रामीण पेयजल राज्य सैक्टर में जनपद हरिद्वार में गुंजर पुर्नवास के अन्तर्गत पथरी एवं गैंडीखाता में पेयजल आपूर्ति हेतु वर्ष 2004-05 में वित्तीय स्वीकृति ।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्रांक- 1906/एस-19(111) /2005 दिनांक 21.03. 2005 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2004-05 में ग्रामीण पेयजल राज्य सैक्टर के अंतर्गत जनपद हरिद्वार में पथरी एवं गैंडीखाता गुंजर बस्ती में पेयजल आपूर्ति हेतु क्रमशः रु० 26.00 लाख एवं 20.00 लाख अर्थात् कुल 46.00 लाख (रु० छियालिस लाख मात्र) धनराशि संलग्न बी०एम-15 में दिये गये विवरणानुसार पुनर्विनियोग द्वारा अनुदानान्तर्गत उपलब्ध बचतों के व्यावर्तन द्वारा व्यय हेतु आपके निवर्तन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं ।

2- स्वीकृत धनराशि निदेशक, पी०एम०यू० स्वजल परियोजना, देहरादून के हस्ताक्षर एवं जिलाधिकारी, देहरादून के प्रतिहस्ताक्षरयुक्त बिल कोषागार देहरादून में प्रस्तुत करके इसी वित्तीय वर्ष में वास्तविक आवश्यकतानुसार ही आहरित की जायेगी ।

3- सामग्री क्रय करने से पूर्व स्टोर परचेज नियमों का पालन आवश्यक है जिन मदों का प्राविधान बाजार भाव से किया गया है उनका क्रय नियमानुसार ही किया जायेगा ।

4- स्वीकृत धनराशि का व्यय उन्ही कार्यों पर किया जायेगा जिनके लिए धनराशि स्वीकृत की जा रही हैं ऐसे कार्यों पर धनराशि कदापि व्यय न की जाय जिनके सम्बन्ध में तकनीकी स्वीकृति नहीं है अथवा जो विवादग्रस्त हैं । व्यय करने से पूर्व जिन मामलों में बजट मैनुअल और फाइनेन्शियल हैण्डबुक नियमों तथा स्थायी आदेशों के अंतर्गत शासकीय अथवा सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृत की आवश्यकता हो, उनमें व्यय करने से पूर्व ऐसी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय ।

6- प्रस्तावित कार्यों को यथासम्भव ग्रीष्मऋतु से पूर्व सम्पन्न कराना सुनिश्चित करते हुए कराये गये कार्यों की वित्तीय एवं भौतिक प्रगति के मासिक/त्रैमासिक विवरण नियमित रूप से शासन को उपलब्ध कराया जाय । ग्रीष्मकाल के समाप्त होने पर

१२



कार्यवार व्यय विवरण व कार्य की भौतिक प्रगति का विवरण शासन को उपलब्ध कराया जायेगा।

7- स्वीकृत योजनाओं के अन्तर्गत धनराशि का व्यय भारत सरकार की स्वजलधारा परियोजना के दिशानिर्देशों के अनुसार माँग आधारित सिद्धान्तों पर लाभार्थियों का अंशदान 10 प्रतिशत जमा कराया जायेगा।

8- कार्यों में सैंटेज/कन्टीजैन्सी व्यय वर्तमान में प्रचलित शासकीय दर से नियमानुसार ही लिया जायेगा।

9- स्वीकृत की जा रही धनराशि का यथाशीघ्र पूर्ण उपयोग सुनिश्चित कर लिया जाये अन्यथा की स्थिति में सक्षम अधिकारी के प्रति उत्तरदायित्व का निर्धारण किया जायेगा। कार्य की समयबद्धता व गुणवत्ता के लिए सम्बन्धित प्रोजेक्ट अधिकारी पूर्णरूप से उत्तरदायी होंगे।

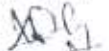
10- योजना को इसी लागत में पूर्ण कर लिया जायेगा और विलम्ब या अन्य कारणों से इसकी लागत में कोई पुनरीक्षण अनुमन्य नहीं होगा।

11- उक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2004-05 के अन्तर्गत अनुदान सं०-13 के लेखाशीर्षक "2215-जलपूर्ति तथा सफाई-01-जलपूर्ति-आयोजनागत-102-ग्रामीण जलापूर्ति कार्यक्रम- 03 -ग्रामीण पेयजल राज्य सैक्टर-00-20 सहायक अनुदान/ अंशदान / राजसहायता" के नामें डाला जायेगा।

13- यह आदेश वित्त विभाग की अशासकीय सं०-1164/ वि०अनु०-3/2005 दिनांक 29 मार्च, 2005 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

संलग्न यथोक्त

भवदीय,



(कुँवर सिंह)

अपर सचिव

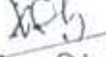
सं० १११ (1)/उन्तीस/०५/२(२०५०)/२००१, तद दिनांक

प्रतिलिपि-निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. महालेखाकार, उत्तरांचल देहरादून।
2. वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
3. मण्डलायुक्त गढ़वाल पौड़ी
4. जिलाधिकारी, देहरादून/हरिद्वार।
5. मुख्य महाप्रबन्धक, उत्तरांचल जल संस्थान, देहरादून।
6. परियोजना प्रबन्धक, जिला परियोजना प्रबन्धन इकाई, स्वजल परियोजना हरिद्वार।
7. मुख्य विकास अधिकारी, हरिद्वार।
8. वित्त अनुभाग-३/वित्त(बजट सैल)/नियोजन प्रकोष्ठ, उत्तरांचल।

कमश..३.

9. निजी सचिव, मा० मुख्यमंत्री/मा० पेयजल मंत्री, उत्तरांचल।
10. निदेशक, सूचना एवं लोक सम्पर्क निदेशालय, देहरादून।
11. निदेशक, एन०आई०सी० सचिवालय परिसर, देहरादून।

आज्ञा से,

— (कुँवर सिंह)
अपर सचिव

अकाही - निर्देशक पीएमओ, स्वतंत्र परिचोपना देहरादून।
विभाग - पंचायत विभाग, उत्तरांचल शासन।

प्रविधान तथा लेखासंकेत

1	2	3	4	5	6	7	8
अवधि वर्ष के आयोजनक विभागीय अनुपाति	वित्तीय वर्ष के अवधि अवधि अनुपाति	अवधि (साल)	लेखासंकेत विभागीय विभाग	पुनर्विनिर्माण के बाद संलग्न-5 की कुल धनराशि	पुनर्विनिर्माण के बाद संलग्न-4 में अवधि राशि	पुनर्विनिर्माण के बाद संलग्न-3 में अवधि धनराशि	
215- उत्तरांचल 01- उत्तरांचल 102- पंचायत 01- केंद्रीय आयोजनागत / केंद्र द्वारा पुनर्विनिर्माण योजना 07- स्वतंत्रता कार्यक्रम (90% केंद्र)	16218	16218	2415- उत्तरांचल सरकार 01- उत्तरांचल-आयोजनागत 102- पंचायत उत्तरांचल कार्यक्रम 03- पंचायत विकास राज्य सरकार	541944	11618	(क) भारत सरकार से धनराशि सीधे अनुदान से के कारण प्रविधान में बाध है। (ख) वार्षिक आवधिकता के कारण।	
20- संलग्नक अनुदान / अग्रदान / राजस्वदायक	16218	16218	00-20- संलग्नक अनुदान / अग्रदान / राजस्वदायक	4600	11618		
16218	16218	16218	4600	541944	11618		

प्रमाणित किया जाता है कि पुनर्विनिर्माण से पहले अनुदान के परिकल्प 150151154156 में उल्लिखित योजनाओं का उल्लेख नहीं होता है।

प्रमाणित (को हस्ताक्षर करें)

प्रमाणित किया जाता है कि पुनर्विनिर्माण से बाध के अनुदान के परिचय 150,151,155,156 में उल्लिखित सीमाओं का उल्लंघन नहीं होता है।

संलग्न -

1164 (क) वित्त अनु-3/2005

देहरादून विभाग 20 मार्च 2005

पुनर्विनिर्माण स्वीकृत

(क) भारत सरकार से धनराशि
सीधे अनुदान से के कारण
प्रविधान में बाध है।
(ख) वार्षिक आवधिकता के
कारण।

सेवा में

भारतीय सरकार

उत्तरांचल, देहरादून

(क) सीओ (विभागीय)
अपर सचिव वित्त

संख्या 199 (2) / उत्तरांचल / 05-2 (21) के / 2001, तद विभागीय

प्रविधान विभागीय को सुचनाएं एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु भविष्य -
1-कार्याधिकारी / वित्तधिकारी, देहरादून। 2-वित्त अनुभाग-3, उत्तरांचल शासन।

(क) सीओ (विभागीय)
अपर सचिव